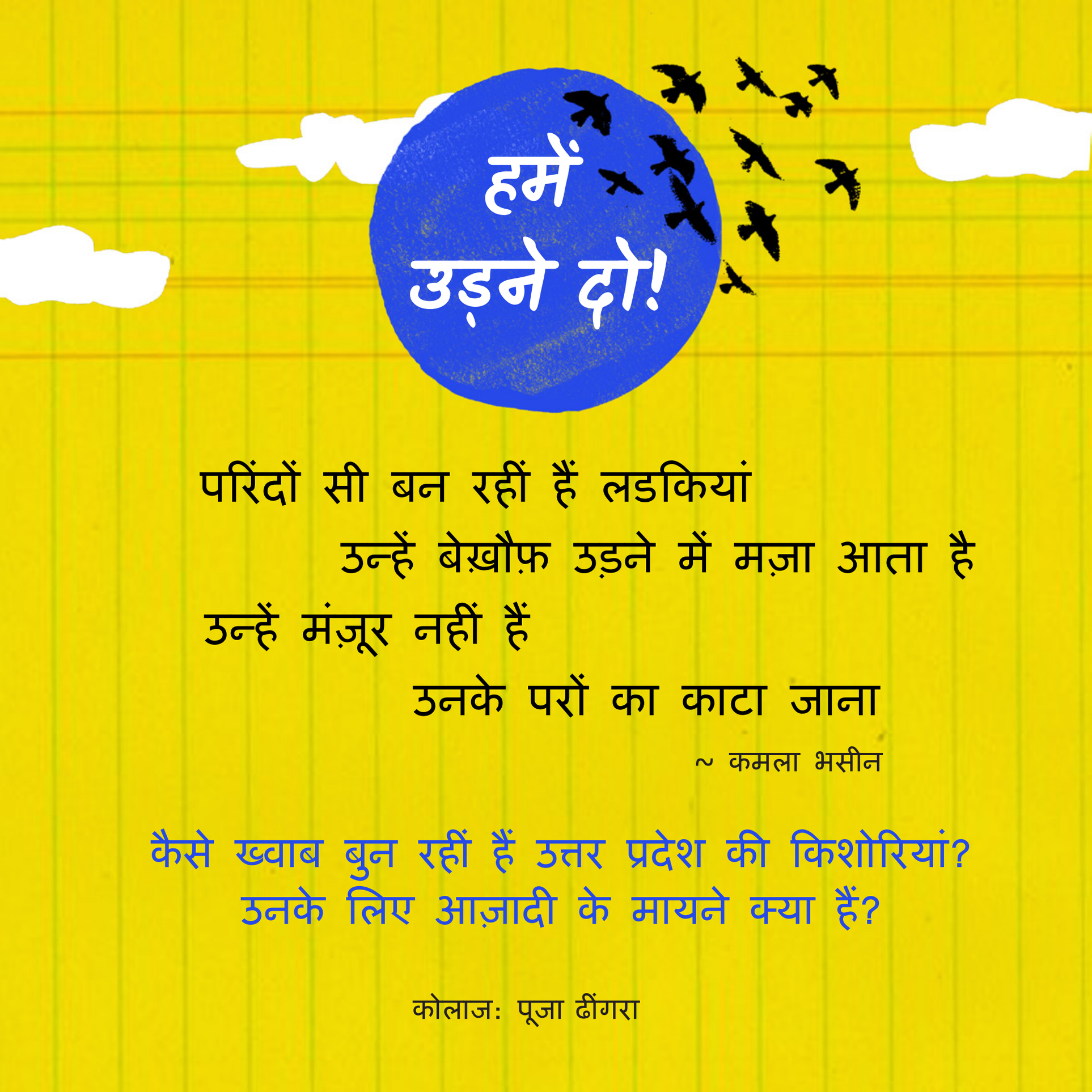

हमें उड़ने दो!

परिंदों सी बन रहीं हैं लडकियां
उन्हें बेख़ौफ़ उड़ने में मज़ा आता है
उन्हें मंज़ूर नहीं हैं
उनके परों का काटा जाना

~ कमला भसीन

कैसे ख्वाब बुन रहीं हैं उत्तर प्रदेश की किशोरियां?
उनके लिए आज़ादी के मायने क्या हैं?

कोलाजः पूजा ढींगरा

ज़मीन की मिट्टी भी देख न पाऊँ
मुझे आसमान में इतने सितारे न दो
ज़मीन पर पाँव रखकर चल न पाऊँ
मुझे कदम कदम पर इतने सहारे न दो।

हमारा संयुक्त परिवार है। हम सात भाई और सात बहनें हैं। हमारी आज़ादी घर से स्कूल और स्कूल से घर तक सीमित है।

नाम: सुरभि
पता: ग्राम पंचायत पारा हथिगो
शिक्षा: बी.ए तृतीय वर्ष

हमारे देश में हर साल आज़ादी का जश्न मनाया जाता है। लेकिन आज़ादी सिर्फ जश्न मनाना नहीं बल्कि उसे महसूस करना है। बिना रोक-टोक के अपनी ज़िन्दगी से जुड़े फैसले खुद लेना और सम्मान के साथ अपना जीवन जी पाना आज़ादी है।

मैं आज़ाद भारत की आज़ाद हवाओं में सांस लेना चाहती हूँ।

मेरा सपना है कि मैं एयरफॉर्स में जाकर देश की सेवा करूँ।

हम लोगों के लिए समाज में आज़ादी की बात तो हर वर्ग करता है, लेकिन देना कोई नहीं चाहता। मैं चाहती हूँ कि समाज में हर वर्ग को समता और समानता का अवसर मिले, चाहे वह महिला हो या पुरुष।

मैं अपने रास्ते खुद तलाश करना चाहती हूँ और इसके लिए मैं अपने अस्तित्व और स्वाभिमान से समझौता नहीं करना चाहती।

नाम: आस्था
पता: तारून ब्लाक, अयोध्या

नाम: दीक्षा
पता: तारून ब्लाक, ग्राम पंचायत, करौंदी
शिक्षा: बी.ए

मैं गायन के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती हूँ। पर मेरे लिए यह आसान नहीं है क्यूंकि आज भी मैं अपनी पसंद का करियर नहीं चुन सकती।

मेरे देश को आज़ाद हुए 75 साल हो गए हैं मगर असली आज़ादी तब हासिल होगी जब हमारा देश जात-पात और लिंग भेदभाव जैसी रूढ़ियों से आज़ाद हो जाएगा।

मैं क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती हूँ। इसके लिए मुझे पूरी तरह से स्वतंत्रता मिलनी चाहिए, मगर मिलती नहीं है।

नाम: प्रिन्सी
पता: महरई मोहम्मदपुर, अयोध्या

हर किशोरी या महिला को अपने सपनों को पूरा करने की आज़ादी होनी चाहिए, ताकि वो अपनी शर्तों पर ज़िन्दगी जी सके।

नाम: माण्डवी
पता: तारून ब्लाक, गौरा, अयोध्या

मैं पुलिस विभाग में नौकरी करके आत्मनिर्भर बनना चाहती हूँ। इसके लिए मैं बाहर रहकर पढ़ाई करना चाहती हूँ। परन्तु मेरे लिए यह इतना आसान नहीं है क्यूंकि हमारे समाज में लड़कियों की पढ़ाई पर खर्च नहीं करना चाहते।

मैं चाहती हूँ कि मेरी आज़ादी किसी के एहसान पर निर्भर न हो। मैं तब तक आज़ाद नहीं हूँ जब तक एक भी लड़की कैद में है, भले ही उसकी बेड़ियाँ मेरी बेड़ियों से अलग हो।

मेरे लिए उस दिन असली आज़ादी होगी जिस दिन हम जैसी लड़कियाँ पढ़ाई, नौकरी और शादी करने के मामलों में अपना निर्णय खुद ले सकेंगी।

जब मैंने 12वीं पास करने के बाद बाहर रहकर अपनी आगे की पढ़ाई करनी चाही तब मुझे मेरे घरवालों ने अनुमति नहीं दी।

हमारा देश आज़ाद तो हो गया है लेकिन हमारा समाज लड़कियों और महिलाओं को कुछ भी करने की आज़ादी नहीं देता। हम अपने परिवार के निर्णय पर आश्रित हैं।

नाम: निकिता
पता: तारून ब्लॉक, बेला
शिक्षा: बी.ए

बैंक अकाउंट खोलने की आज़ादी

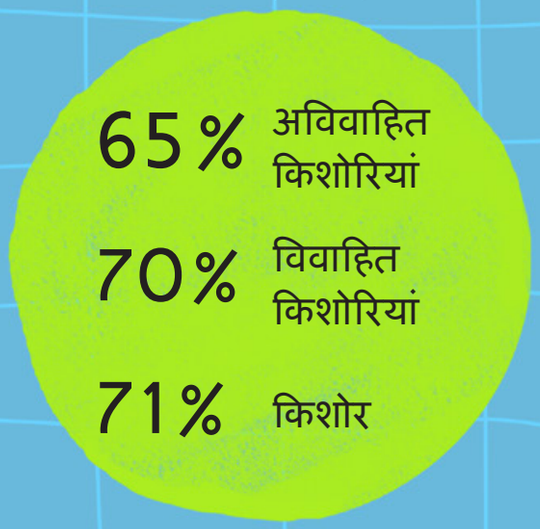

बैंक अकाउंट चलाने की आज़ादी

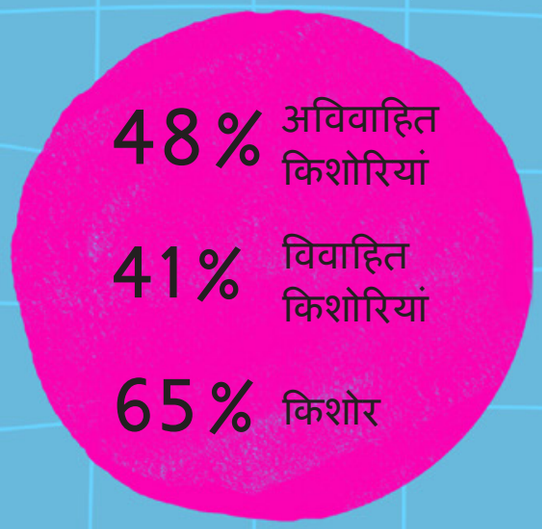

अकेले घूमने फिरने की आज़ादी

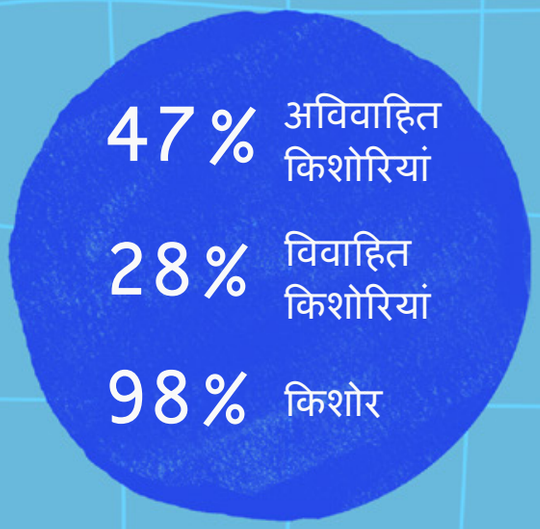

जीवन साथी चुनने की आज़ादी

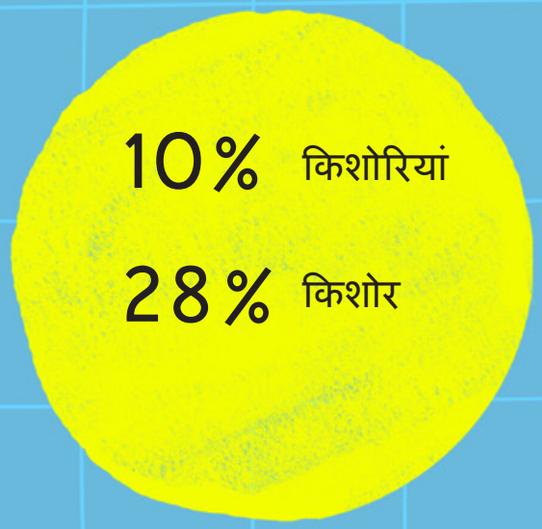

2018-2019 में उत्तर प्रदेश में 18-22 वर्षीय किशोर और किशोरियां

सोर्स: उत्तर प्रदेश और बिहार में उदया सर्वेक्षण, 2015-2016 और 2018-2019

साभार:

यह ज़ीन बहनबॉक्स और चित्रकूट कलेक्टिव की पेशकश है। डाटा उदया सर्वे से लिया गया है। यह प्रोजेक्ट पॉपुलेशन कॉउंसिल के उदया ग्रांट से संभव हुआ है।